



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

19 ज्येष्ठ 1944 (श10)

(सं0 पटना 354) पटना, वृहस्पतिवार, 09 जून 2022

पर्या0/वन-24/2016-428 (ई0)/प०व०ज०प०
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

संकल्प

07 जून 2022

विषय:-वन एवं पर्यावरण विभाग के संकल्प संख्या-वन पर्या0/142/87-4629 व0प0 दिनांक 13.10.1987 द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण संबंधी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन जिला स्तर पर पूर्व से गठित "जिला पर्यावरण समिति" के पुनर्गठन के संबंध में।

विभागीय संकल्प संख्या-वन पर्या0/142/87-4629 व0प0 दिनांक 13.10.1987 द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण संबंधी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु राज्य में पर्यावरण संरक्षण वर्षद, पर्यावरण समन्वय समिति तथा अन्य निकायों का गठन किया गया है। जिला स्तर पर उक्त उद्देश्य के लिए "जिला पर्यावरण समिति" का गठन उपायुक्त/जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया है जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारी सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं।

कालान्तर में पर्यावरण के ह्रास का कुप्रभाव नए क्षेत्रों पर भी दिखने लगा है। साथ ही यह जलवायु परिवर्तन का कारक बना है। सरकार तथा न्यायालयों द्वारा पर्यावरण के संरक्षण हेतु प्रभावी कार्यक्रम चलाये जाने की आवश्यकता महसूस की गई है तथा सरकार द्वारा अनेक योजनाएं बनायी गई हैं एवं इनका संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए जिला स्तर पर पूर्व से गठित "जिला पर्यावरण समिति" के क्षेत्र एवं क्रियाकलापों में विस्तार की आवश्यकता है।

उक्त के आलोक में "जिला पर्यावरण समिति" का पुनर्गठन निम्नवत् किया जाता है:-

| | | | |
|---|--|---|---------|
| 1 | जिलाधिकारी | — | अध्यक्ष |
| 2 | पुलिस अधीक्षक | — | सदस्य |
| 3 | संबंधित वन प्रमंडल पदाधिकारी | — | संयोजक |
| 4 | उप-विकास आयुक्त | — | सदस्य |
| 5 | मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 6 | जिला पशु चिकित्सा पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 7 | कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन विभाग | — | सदस्य |
| 8 | जिला उद्यान पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 9 | जिला कृषि पदाधिकारी | — | सदस्य |

| | | | |
|----|--|---|-------|
| 10 | महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र | — | सदस्य |
| 11 | मुख्य कारखाना निरीक्षक के प्रतिनिधि | — | सदस्य |
| 12 | बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के प्रतिनिधि | — | सदस्य |
| 13 | पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा मनोनीत पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 14 | जिला परिवहन पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 15 | असैनिक शल्य चिकित्सक | — | सदस्य |
| 16 | कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियन्ता विभाग | — | सदस्य |
| 17 | नगरपालिका/नगर निगम के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 18 | जिला खनन पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 19 | जिला सम्पर्क पदाधिकारी | — | सदस्य |
| 20 | जिलाधिकारी द्वारा मनोनीत-2 (दो) (एक महिला) | — | सदस्य |
| 21 | टाउन प्लानिंग निदेशालय के प्रतिनिधि (प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा मनोनीत) | — | सदस्य |

जिला पर्यावरण समिति की बैठक प्रत्येक दो माह पर अथवा आवश्यकतानुसार आयोजित की जायेगी।

“जिला पर्यावरण समिति” के कर्तव्य—

- 1 जिला पर्यावरण कार्ययोजना/योजना का अनुमोदन करना।
- 2 पर्यावरण संरक्षण तथा प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण हेतु सरकार/न्यायालयों द्वारा दिये गये निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
- 3 जिला के अन्दर पर्यावरण, संरक्षण एवं संवर्धन के सम्बन्धित कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।
- 4 सरकारी/निजी स्वैच्छिक संगठनों के बीच समन्वय स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण योजना तैयार करना।
- 5 वनों का संरक्षण एवं अवैध कटाई रोकने के संबंध में कार्रवाई करना।
- 6 पर्यटन, पुरातत्व एवं ऐतिहासिक महत्व वाले स्थानों की सुरक्षा एवं विकास।
- 7 जल, वायु, ध्वनि एवं चालित वाहन जनित प्रदूषण के नियंत्रण एवं निवारण हेतु कार्रवाई करना।
- 8 जल के प्रदूषण से प्रभावित होने वाली छोटी-बड़ी नदियों तथा भू-गर्भ श्रोतों यथा कुएँ, तालाब इत्यादि के जल का वैज्ञानिक विश्लेषण कराना और लोक स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से जल की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- 9 खनिकर्म (भू-सतही एवं भू-गर्भ में) द्वारा हो रहे प्रदूषण की रोकथाम।
- 10 खनिकर्म (विशेषकर लघु खनिज पदार्थों का उत्खनन), उद्योग, जलापूर्ति बहिस्त्राव एवं वाहित जल के निष्कासन से संबंधित जिला स्तरीय परियोजनाओं, जो पर्यावरण को प्रभावित कर सकती हो, की समीक्षा एवं प्रारंभिक अनुमोदन करना।
- 11 खनन, उद्योग एवं अन्य विकास से सम्बद्ध विभागों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का पर्यावरण संरक्षण, वन संरक्षण तथा प्रदूषण की रोकथाम की दृष्टिकोण से पुनर्मूल्यांकन।
- 12 पर्यावरण संरक्षण हेतु रेडियो, दूरदर्शन, अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों, निजी सम्पर्क, सामाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार एवं प्रसार जिला पर्यावरण समिति के कार्यों की समीक्षा प्रमंडलीय आयुक्त एवं संबंधित क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक द्वारा संयुक्त रूप से प्रत्येक दो-तीन माह पर अथवा आवश्यकतानुसार विशेष बैठक आयोजित कर की जायेगी एवं तत्संबंधी प्रतिवेदन सरकार (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग) को दिया जायेगा।

आदेश:—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में सर्वसाधारण की जानकारी हेतु प्रकाशित किया जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
अरविन्द कुमार चौधरी,
सरकार के प्रधान सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 354-571+500-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>